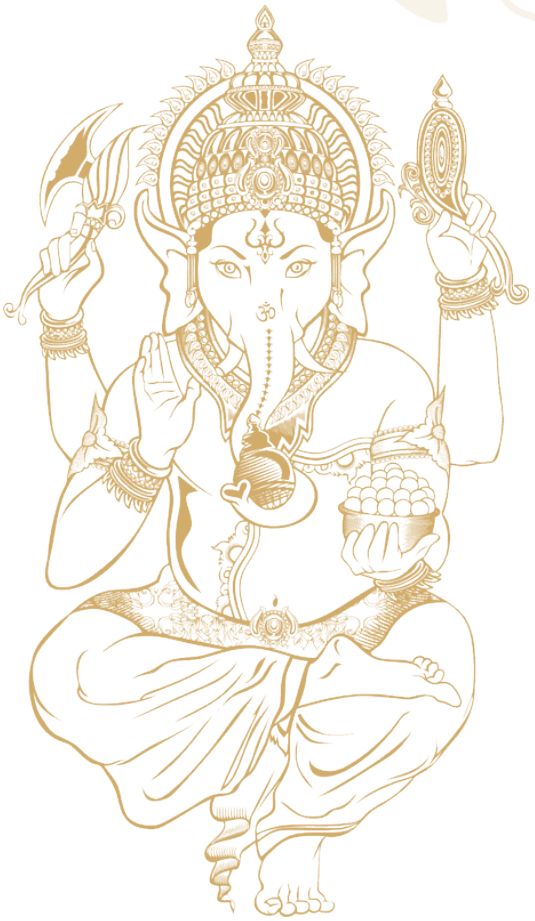

Mr. Aniket

Aradhana mathur

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120834206

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/06/1997	जन्म तिथि	12/02/1998
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 15:32:00	जन्म समय	18:00:00 घंटे
घटी 25:02:36	जन्म समय(घटी)	28:05:32 घटी
India	देश	India
Nagpur	स्थान	Delhi
21:10:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
79:12:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:13:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:30:57	सूर्योदय	07:02:28
18:52:32	सूर्यास्त	18:08:37
23:49:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:47

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 0वर्ष 7मा 17दि	07:13:47	तुला	लग्न	कर्क	28:43:01	केतु 0वर्ष 9मा 2दि
गुरु	20:57:35	वृष	सूर्य	मक	29:45:29	चन्द्र
22/01/2023	22:29:24	वृष	चंद्र	सिंह	11:53:35	15/11/2024
22/01/2039	00:38:00	कन्या	मंगल	कुंभ	20:26:20	15/11/2034
गुरु 12/03/2025	00:14:13	वृष	बुध	मक	22:17:38	चन्द्र 15/09/2025
शनि 23/09/2027	28:05:11	मक	गुरु	कुंभ	08:05:38	मंगल 16/04/2026
बुध 29/12/2029	07:41:43	मिथु	शुक्र	धनु	25:29:20	राहु 16/10/2027
केतु 05/12/2030	23:53:52	मीन	शनि	मीन	22:35:46	गुरु 14/02/2029
शुक्र 05/08/2033	01:27:45	कन्या व	राहु व	सिंह	16:40:00	शनि 16/09/2030
सूर्य 24/05/2034	01:27:45	मीन व	केतु व	कुंभ	16:40:00	बुध 15/02/2032
चन्द्र 23/09/2035	14:38:14	मक व	हर्ष	मक	15:43:39	केतु 15/09/2032
मंगल 29/08/2036	05:49:52	मक व	नेप	मक	06:41:59	शुक्र 17/05/2034
राहु 22/01/2039	10:06:38	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:01:38	सूर्य 15/11/2034

लग्न-चलित

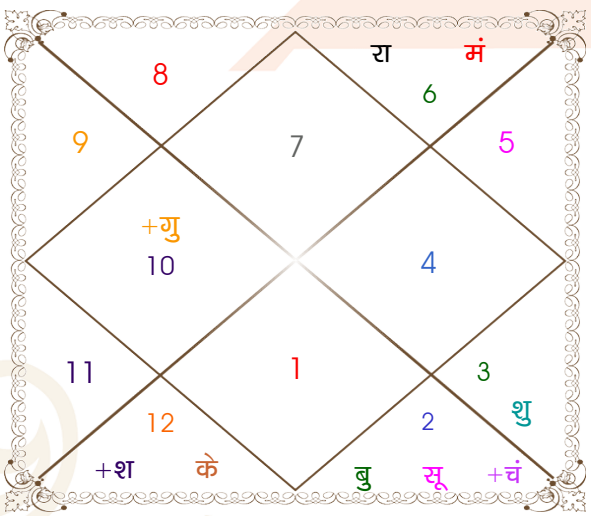

लग्न-चलित

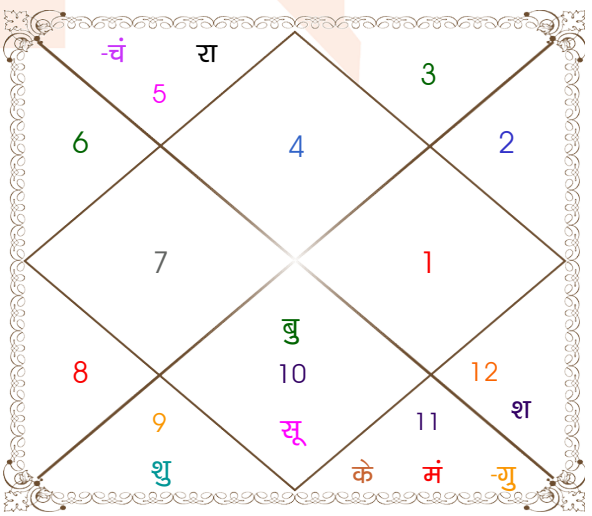

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	9.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डतण् ।दपामज का नक्षत्र रोहिणी है।

डतण् ।दपामज का वर्ग मृग है तथा ।तंकींदं उंजीनत का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् ।दपामज और ।तंकींदं उंजीनत का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण् ।दपामज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण् ।दपामज कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डतण् ।दपामज कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।तंकींदं उंजीनत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।तंकींदं उंजीनत कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु ।तंकींदं उंजीनत कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण् ।दपामज कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् ।दपामज तथा ।तंकींदं उंजीनत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।